SUSTAINABLE DEVELOPMENT - A ROAD TOWARDS LIFELONG LEARNING

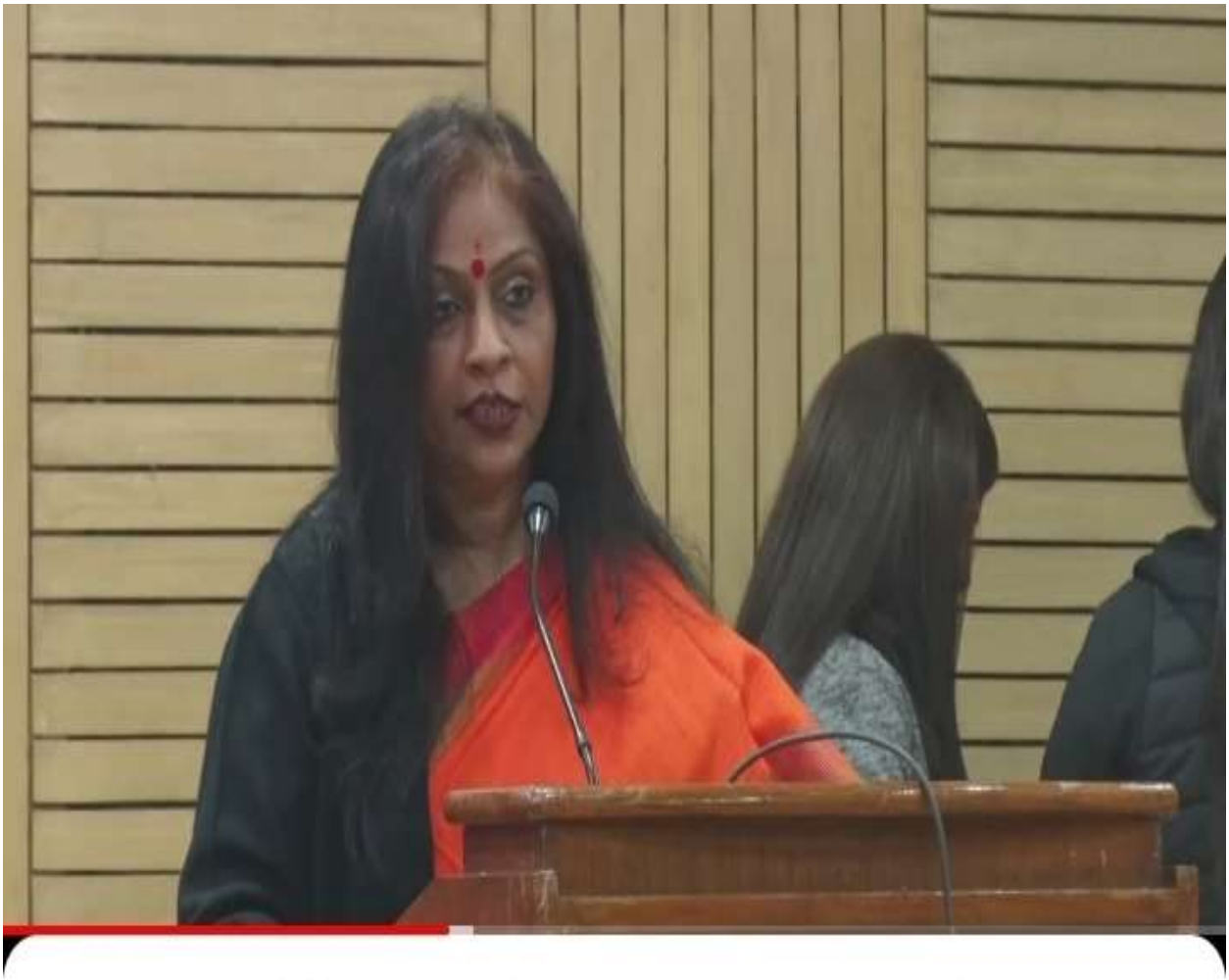

Sustainable Development : A Road Towards Lifelong learning

253 views 5 days ago ...more

Dacee DU 77

Subscribe

17 Share Download Save

भारत के 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की राह में दिल्ली विश्वविद्यालय अपनी भूमिका निभा रहा है -कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह

Posted on January 20, 2024 by Sudhir Saluja

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज ने सतत विकास एवं जीवन पर्यन्त अधिगम पद्धति पर दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की सह-मेज़बानी की

दिल्ली, 19 जनवरी 2024 : जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय (NAAC A+) ने प्राचार्य प्रो.स्वाति पाल के कुशल निर्देशन में 'भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संगठन' (IAEA) के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की आधारशिला स्थापित की ।
विभाग की स्थापना के 40 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, "सतत विकास: आजीवन सीखने की राह" सम्मेलन 18, 19 और 20 जनवरी 2024 तक आयोजित किया जा रहा है । जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज सक्रिय रूप से इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है । इसमें विभिन्न देशों के शैक्षणिक संस्थान जैसे बेलारूस , उज्बेकिस्तान, इंडोनेशिया, लिथुआनिया, फिलीपींस, इटली और जॉर्जिया आदि नामचीन देश भाग ले रहे हैं ।
ऐसे समय में जब "सतत विकास" कई देशों की बढ़ती चिंता और फोकस का आधार बन गया है, ऐसे में जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज स्थिरता को केवल एक दर्शन के बजाय जीवन का आधार बनाने के महत्व की पुष्टि करता है। 1959 में निर्मित जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने वाला पहला और दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रमुख कॉलेज है और अपने पूरे महाविद्यालय परिसर में सौर पैनल स्थापित करने वाला दिल्ली विश्वविद्यालय का दूसरा प्रमुख कॉलेज है।

18 जनवरी 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित उद्घाटन समारोह में, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की प्राचार्य प्रो. स्वाति पाल ने इस अंतरराष्ट्रिय सम्मेलन की सह-मेजबानी पर प्रसन्नता व्यक्त की। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह, सतत शिक्षा और विस्तार विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रोफेसर राजेश कुमार, साउथ कैंपस के निदेशक प्रोफेसर श्री प्रकाश सिंह और सहित डीन प्रोफेसर बलराम पाणि भी उपस्थित थे।

इस तरह के सम्मेलन के आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर स्वाति पाल ने कहा, "सम्मानपूर्ण जीवन आंतरिक रूप से एक स्थायी भविष्य से मूल रूप से जुड़ा हुआ है किन्तु इसके प्रति हमारी जिम्मेदारी कहां है ? सतत विकास को जीवन का आधार बनाने की जरूरत है। पृथ्वी और पारिस्थितिकी तंत्र के साथ हमारे संबंधों को फिर से परिभाषित करना महत्वपूर्ण हो गया है।"

अपने विचारों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने विकास के संबंध में भारत द्वारा की जा रही प्रगति के बारे में बात की। उन्होंने कहा, "भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनना चाहता है। उस संबंध में, जब स्थिरता की बात आती है तो उस दिशा में दिल्ली विश्वविद्यालय अपनी भूमिका निभा रहा है। हालाँकि, हमें अभी भी व्यक्तिगत स्तर पर अपनी भूमिकाएँ निभाते रहने और अपने परिवेश के प्रति अधिक कृतज्ञता और देखभाल का अभ्यास करने की आवश्यकता है।"

19 जनवरी, 2024 को, सम्मेलन के दूसरे दिन, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज ने सम्मेलन की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए ,विभिन्न पेपर प्रस्तुतियों के प्रस्तुतीकरण की मेजबानी की । ये पेपर पूरे भारत में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और प्रोफेसरों द्वारा प्रस्तुत किए गए थे।

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर स्वाति पाल ने कहा, "शिक्षा मंत्रालय ने इस कॉलेज को एक विशिष्ट परिसर होने हेतु सम्मानित किया है। 'हरा' शब्द प्रचलित होने से पहले हमारा कॉलेज हरा था। हम यहां पानी की एक भी बूंद बर्बाद नहीं करते हैं, और हम हर्बल गार्डन और बगीचों की बहुत अच्छी तरह से देखभाल करते हैं। लेकिन महाविद्यालय में सबसे महत्वपूर्ण मूल्यों एवं संसाधनों का बंटवारा है, यही आपसी सामंजस्य और सोहार्द के साथ जीवित रहने का एकमात्र तरीका है।"

प्राचार्य प्रो.स्वाति पाल के गतिशील संबोधन के बाद, कॉलेज ने रिसर्च ट्रिज्म डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, उज्बेकिस्तान और ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज, उज्बेकिस्तान के साथ दो समझौता ज्ञापनों (MOU) पर हस्ताक्षर किए। यह सहयोग इन विश्वविद्यालयों के मध्य निकट भविष्य में विभिन्न विषयों सहित सूचना और शैक्षणिक सामग्रियों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेगा।

Post Views: 67

Facebook 0 | Twitter 0 | LinkedIn | WhatsApp | Email | Messenger | 0 Shares

सफलता का मंत्र है लाइफ़लोंग लर्निंग: प्रो. योगेश सिंह

दिल्ली विश्वविद्यालय में सस्टेनेबल डेव्लपमेंट: ए रोड़ टूवर्ड्स लाइफ़लोंग लर्निंग विषय पर 3 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का हुआ शुभारंभ

नई दिल्ली, ब्यूरो। दिल्ली विश्वविद्यालय के सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग द्वारा जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज और भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के सहयोग से ÷सस्टेनेबल डेव्लपमेंट: ए रोड़ टूवर्ड्स लाइफलॉन्ग लर्निंग विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन 18 से 20 जनवरी तक किया जा रहा है। कॉन्फ्रेंस का विधिवत उद्घाटन 18 जनवरी को विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हाल में हुआ। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। कुलपति ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि लाइफ़लोंग लर्निंग सफलता का एक मंत्र है। यह कोई लक्ष्य नहीं अपितु सुव्यवस्थित यात्रा है।

कुलपति ने अपने उद्घाटन भाषण के दौरान कहा कि केवल वसुधैव कुटुंबकम कहने से काम नहीं चलेगा, इसके लिए हमें उदाहरण स्थापित करने होंगे। हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत सरकार ने 2047 तक विकसित भारत का संकल्प लिया है। परंतु सतत विकास के लक्ष्यों से समझौता करके इसे प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसीलिए ऐसे कॉन्फ्रेंस आवश्यक हैं। प्रो. योगेश सिंह ने यमुना जैसी कुछ नदियों से 100ब पानी नहरों में निकाल लेने को जल प्रदूषण का बड़ा कारण मानते हुए कहा कि ÷रिवर वाटर से बोटल वाटर÷ तक की यात्रा बहुत ही दर्दनाक है। उन्होंने कहा कि जितना हम सतत विकास की बात करते हैं कार्यान्वयन में उतना ही उल्टे हैं। जो चीजें प्रकृति ने हमें मुफ्त में दी है, हमने उन्हें भी दूषित कर दिया। इसलिए हमें सही शिक्षा की जरूरत है। भारतीय ज्ञान परंपरा इसमें हमें मदद कर सकती है।

कुलपति ने बदलती तकनीक और उसके साथ बदलते आचरण पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछली सदी में उत्पादों के रिपेयर पर काम होता था; फिर उत्पाद की क्वालिटी तो उन्नत हुई, लेकिन रिपेयर की बजाए रिपलेस पर काम होने लगा। ऐसे थ्यूरियाँ कुछ देशों के लिए वहाँ की व्यवस्था के अनुसार ठीक हो सकती हैं, लेकिन भारत जैसे 140 करोड़ की आबादी वाले देश के लिए ठीक नहीं हो सकती। इसके साथ ही कुलपति ने इस कॉन्फ्रेंस के समूहिक आयोजन के लिए तीनों भागीदारों को शुभकामनाएँ भी दी। इस दौरान कुलपति द्वारा कॉन्फ्रेंस की सार पुस्तिका का विमोचन भी किया गया और विकसित भारत @2047: युवाओं की आवाज÷ विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए। इस अवसर पर साउथ कैम्पस के निदेशक प्रो. श्री प्रकाश सिंह भी उनके साथ उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के आरंभ में डीसीईई के एचओडी प्रो. राजेश कुमार ने अतिथियों और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस कॉन्फ्रेंस के सहभागी संस्थान, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, की प्रिंसिपल प्रो. स्वाति पाल ने अपने संबोधन के दौरान इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की सह-मेजबानी करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कॉन्फ्रेंस के आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, गरिमापूर्ण जीवन आंतरिक रूप से एक स्थायी भविष्य से जुड़ा हुआ है। लेकिन जिम्मेदारी कहां है? सतत विकास को एक व्यक्तिगत, रोजमर्रा की पसंद बनने की जरूरत है। पृथ्वी और पारिस्थितिकी तंत्र के साथ हमारे संबंधों को फिर से परिभाषित करना महत्वपूर्ण है। समारोह के अंत में डीसीईई के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कुमार आशुतोष द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

Instagram

Log in

Open App

jankidevi_memorial_college • Follow

169 likes

jankidevi_memorial_college At the inaugural ceremony, Principal Swati Pal from Janki Devi Memorial College expressed her delight to co-host this... more

2 days ago

facebook

Log In

← Janki Devi Memorial College's post

Janki Devi Memorial College
3d ·

Janki Devi Memorial College, a premier women's college of the University of Delhi in collaboration with Department of Continuing Education & Extension, University of Delhi and Indian Adult Education Association (IAEA) conducted a 3-day International Conference on sustainability.
...see more

Seema Mani and 76 others

Log in Sign up

Janki Devi Memorial College
@CollegeJanki

Follow

JDMC signed two Memoranda of Understanding with the Research Centre for the Study of Eastern Culture and Heritage Tourism, Tashkent State University of Oriental Studies and Research Development Institute, Uzbekistan.
#JDMC #JankiDeviMemorialCollege #DU

University of Delhi and 3 others

11:55 am · 20 Jan 2024 · **95** Views